विचार बिन्दु

ऐश्वर्य उपाधि में नहीं बल्कि इस चेतना में है कि हम उसके योग्य हैं। –अरस्तु

सम्मान के लिए आवेदन मांग कर योग्यता का निर्णय

इन दिनों पुरस्कार दिए जाने के समारोहों के समाचार बहुत आने लगे हैं। साहित्य और कला-संस्कृति के पुरस्कारों की भरमार है। इसका सकारात्मक पहलू देखें तो रचनात्मक और अच्छा काम करने वालों को पुरस्कार और सम्मान देकर समाज खुद गौरवान्वित होता है। सरकारी स्वायततशाली अकादमियां साहित्यकारों और कलाकारों को पुरस्कार और सम्मान देती आई हैं। पहले कुछ इनी-गिनी निजी संस्थाएं ही पुरस्कार देती थी। अब प्रायोजन का दौर है। ऐसी संस्थाओं की भरमार है जो प्रायोजक लाती है और पुरस्कार समारोह आयोजित करती है। लेकिन जिस संख्या में अब पुरस्कार दिए जाने लगे हैं वह अभूतपूर्व है। अब सार्वजनिक और निजी पार्टनरशिप का भी ज़माना है। ऐसा ही एक आयोजन पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, जवाहर कला केन्द्र, एवं राजस्थानी सिनेमा विकास संघ के संयुक्त तत्वावधान में अगले हफ्ते जयपुर के 'जवाहर कला केन्द्र' में हो रहा है। 'राजस्थानी सिनेमा महोत्सव' के इस आयोजन को सिनेमा एवं लोक संगीत का महासंगम भी कहा गया है। इस आयोजन में राजस्थानी सिनेमा और लोक संगीत के लीजेंड्स की स्मृति में विभिन्न श्रेणियों में अवार्ड दिये जाने की घोषणा की गई है। इसके लिए पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। आवेदन की अन्तिम तिथि 21 मार्च रखी गई है। आवेदकों से आवेदन में उनकी उपलब्धियों के साथ उनका संपूर्ण बायोडाटा मांगा गया है। अधिकृत सूचना में कहा गया है कि अवार्ड के योग्य व्यक्ति का चयन महोत्सव की जूरी द्वारा किया जायेगा। सम्मान की कुल 27 श्रेणियां घोषित की गई हैं तथा प्रत्येक श्रेणी का अवॉर्ड किसी एक विधा के पुरोधा के नाम पर रखा गया है। ऐसा करने के पीछे आमतौर पर यह अवधारणा होती है कि किसी कलाकार को सम्मान देते हुए उस विधा के किसी पुरोधा की भी स्मृति को स्थाई बनाये रखी जाय। ऐसा करके समाज अपना फर्ज ही पूरा करता है। लेकिन वर्तमान प्रचार के जमाने में ऐसे आयोजन ईवेंट के तौर पर होने लगे हैं। कुछ ईवेंट करना है तो चलो कोई प्रायोजक तैयार कर लो और आयोजन कर लो। लेकिन किसी ईवेंट में सरकारी भागीदारी हो तब यह अपेक्षा स्वाभाविक ही होती है कि जो किया जा रहा है वह सलीके से और सूझ-बूझ से हो। इस महासंगम को 'राजस्थानी सिनेमा महोत्सव' नाम दिया गया है। हालांकि इसमें लोकसंगीत को भी शामिल कर लिया गया है। इसलिए स्वाभाविक ही जिन पुरोधाओं के नाम पर सम्मान हैं वे राजस्थानी हैं। हिन्दुस्तानी सिनेमा में राजस्थान के लोगों का सिनेमा की शुरुआत से योगदान रहा है। ऐसे लोगों के नाम पर पुरस्कार देना सर्वथा उचित है। इससे इन शख्सियतों की पहचान नई पीढी में भी बनी रहेगी। लेकिन आश्चर्य है कि इसमें दो नाम ऐसे भी हैं जो राजस्थान के नहीं है। ये दोनों कलाकार हिन्दी सिनेमा में बुलंदियों पर रहे हैं और उनके नाम को इस तरह की पहचान की आवश्यकता भी नहीं है। ये दो पुरोधा हैं अभिनेता प्राण, जिनके नाम पर 'प्राण सिकन्द स्मृति बेस्ट चरित्र अभिनेता एवं खलनायक सम्मान' दिये जाने की घोषणा की गई है, तथा गायक महेंद्र कपूर जिनके नाम पर 'महेन्द्र कपूर स्मृति पार्श्व गायक सम्मान' दिया जाएगा। ये दो महान कलाकार राजस्थान के जन्मे नहीं हैं जिस प्रकार बाकी के 25 हैं। यह भी सवाल उठता है कि जब इतनी लंबी सूची बनानी ही थी तब राजस्थान के उन पुरोधा कलाकारों के बारे में स्मृति लोप कैसे हो गया जो इस सूची में शामिल लोगों से किसी तरह कमतर नहीं थे, जैसे अभिनेता सज्जन। इसमें राजश्री वाले ताराचंद बड़जात्या का नाम भी हो सकता था। इस सूची में शामिल 27 श्रेणियों के लिए स्मृति शेष नाम किन लोगों ने किस मापदंड से तय किये यह जानने के लिए आरटीआई के तहत सूचना मांगने पर भी शायद न मिले। इसके साथ एक बड़ा सवाल सम्मान देने के लिए आवेदन मांगे जाने का भी है। आवेदन मांग कर क्या कलाकारों को सम्मान के लिए याचक बनाया जा रहा है? कहा गया है कि अवार्ड के योग्य व्यक्ति का चयन महोत्सव की जूरी द्वारा किया जायेगा। अब आवेदनों में से जब एक योग्य का चयन होगा तो क्या अन्य अयोग्य होने का कलंक झेलेंगे? आवेदन प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित होते हैं सम्मान के लिए नहीं। इस सरकारी आयोजन ने सम्मान को प्रतियोगिता बना दिया। सरकारों में ऐसा ही होता है। इसीलिए कहा जाता है कि सरकार के पास सिर्फ फ़ाइल की बुद्धि होती है और वह मशीन की तरह काम करती है। लेकिन एक लोकतान्त्रिक व्यवस्था में निर्वाचित प्रतिनिधियों से कला की थोड़ी तो समझ या दृष्टि होने की अपेक्षा करना नावाज़िब भी नहीं है। यह भी बड़ा सवाल है कि सम्मान के लिए आए आवेदनों में से योग्य का चयन करने वाली जूरी में कौन है? जब 27 अलग-अलग विधाओं में सम्मान के लिए चयन किया जाना है तो प्रत्येक विधा का कम से कम एक-एक जानकार तो जूरी में होना ही चाहिए। क्या इस जूरी में इन विधाओं के जानकार 27 गैरसरकारी सदस्य हैं? जूरी के मेम्बरान खुद कितने योग्य हैं? जूरी में कितने सरकारी अधिकारी होंगे और कितने कला जगत की समझ रखने वाले, सब गोपनीय है।

कलाकारों को एक निश्चित सम्मान या पुरस्कार देने का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे उनकी गरिमा और योगदान की सराहना हो, न कि ऐसा लगे कि उन्हें सम्मान के लिए 'विनती' करनी पड़ रही है। सम्मान देने का तरीका पारदर्शी और सम्मानजनक होना चाहिए, ताकि उसे पाने वाले कलाकार को भी अच्छा महसूस हो। इस तरह के आवेदन से यह लगता कि कलाकार को खुद को प्रमाणित करने की आवश्यकता है, जो उचित नहीं है।

इस बात की गलतफहमी किसी को नहीं है कि यह समारोह ताबड़तोड़ में हो रहा है क्योंकि मार्च का महिना सरकारी वित्त वर्ष का आखरी महिना होता है और सरकारी विभाग को उस साल के लिए आवंटित बजट को साल पूरा होने तक किसी प्रकार खर्च करना होता है। ऐसे ही बजट पूरा करने के लिए अनेक कार्यक्रम जवाहर कला केंद्र में पिछले फरवरी माह में भी हुए है और जिनमें दर्शकों और श्रोताओं का अमूमन टोटा ही रहा है, जिसका कारण सब जानते हैं कि यह महीने ऐसे कार्यक्रमों के लिए मुआफ़िक़ नहीं होते क्योंकि वे विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं और उनकी तैयारियों के होते हैं जिसमें उनके अभिभावक भी व्यस्त रहते हैं। मगर सरकारी व्यवस्थापकों को इससे क्या। उन्हें तो रस्म अदायगी करके बजट खर्च करना है। ऐसा सरकारी प्रशासनिक व्यवस्था में ही होता है। 'जवाहर कला केंद्र' की मूल अवधारणा में उसे कलाकर्म से जुड़े लोगों द्वारा संचालित स्वायत्तशाषी संस्थान होना था, किन्तु वह एक सरकारी विभाग की तरह ही संचालित हो रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों को किताबों में दर्ज नियमों की अपने तरीके से व्याख्या करके उसके अनुरूप काम करने का हुनर होता है। हालांकि उनमें कुछ विरले अधिकारी भी निकल आते हैं, किन्तु वे विशाल सरकारी अमले में मुट्ठी भर भी नहीं होते। इसलिए राजस्थानी सिनेमा महोत्सव जिस प्रकार हो रहा है और जो लंबी सूची सम्मानों की है वह लोगों को अजूबा लग सकती है। अवार्डों की लंबी सूची इस प्रकार है:– 'पंण्डित इन्द्र स्मृति लाईफ टाईम एचीवमेन्ट सम्मान', 'बी.के आदर्श स्मृति बेस्ट फिल्म सम्मान', 'मणिभाई व्यास स्मृति बेस्ट डाईरेक्टर सम्मान', 'महिपाल स्मृति बेस्ट एक्टर सम्मान', 'जयमाला स्मृति बेस्ट एक्ट्रेस सम्मान', 'प्राण सिकन्द स्मृति बेस्ट चरित्र अभिनेता एवं खलनायक सम्मान', 'पंण्डित शिवराम स्मृति बेस्ट म्यूजिक डाईरेक्टर सम्मान','भरत व्यास स्मृति बेस्ट लीरिक्स सम्मान', 'माणकलाल जालानी स्मृति बेस्ट फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर सम्मान', 'सूरज दाधीच स्मृति बेस्ट राईटर सम्मान', रामराज नाहटा स्मृति बेस्ट मीडिया सम्मान', 'धनराज दाधीच स्मृति बेस्ट छाया निर्देशक सम्मान', 'अब्दुल सत्तार स्मृति बेस्ट मेकअप मैन सम्मान', 'आई.एम. कुन्नू स्मृति बेस्ट एडिटर सम्मान', 'सरिता देवी स्मृति उत्कृष्ठ चरित्र अभिनेत्री सम्मान', 'पंण्डित गौरी शंकर स्मृति नृत्य साधना सम्मान', 'महेन्द्र कपूर स्मृति पार्श्व गायक सम्मान', 'श्रवण जैन स्मृति एलबम निर्माण सम्मान', 'मुबारक बेगम स्मृति पार्श्व गायिका सम्मान', 'बी.एम. व्यास स्मृति खलनायक सम्मान', 'ब्रजेश बेनिवाल स्मृति कॉमेडी फिल्म सम्मान', 'जे.पी कपूर स्मृति उत्कृष्ठ फिल्म सम्मान', 'देवीलाल सामर स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान', 'अल्लाह जिलाई बाई स्मृति उत्कृष्ट मांड गायन सम्मान', 'गवरी देवी स्मृति उत्कृष्ट लोक गायन सम्मान', 'गणपतलाल डांगी स्मृति उत्कृष्ट संगीतज्ञ सम्मान', और 'सदीक ख़ान मांगणियार स्मृति उत्कृष्ट वादन सम्मान'।

कलाकारों को एक निश्चित सम्मान या पुरस्कार देने का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे उनकी गरिमा और योगदान की सराहना हो, न कि ऐसा लगे कि उन्हें सम्मान के लिए 'विनती' करनी पड़ रही है। सम्मान देने का तरीका पारदर्शी और सम्मानजनक होना चाहिए, ताकि उसे पाने वाले कलाकार को भी अच्छा महसूस हो। इस तरह के आवेदन से यह लगता कि कलाकार को खुद को प्रमाणित करने की आवश्यकता है, जो उचित नहीं है। उनके काम को स्वाभाविक रूप से पहचाना और सराहा जाना चाहिए, न कि उन्हें इसके लिए आवेदन करने की आवश्यकता हो। सम्मान के लिए नामों को चुने जाने का काम प्रशासनिक अधिकारियों या उनके चहेते निजी लोगों के हाथों में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। चयन प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और चयनकर्ताओं के नाम सार्वजनिक रहने चाहिए ताकि वृहद समाज उनकी योग्यता का भी मूल्यांकन कर सके। पारदर्शिता ही लोकतान्त्रिक व्यवस्था होती है। किन्तु नौकरशाही को गोपनीयता भाती है। वे अपने निर्णयों पर सवाल पसंद नहीं करते। शासकीय तंत्र में जकड़ा जवाहर कला केंद्र कला के सृजन का केंद्र बनने के बजाय सैर सपाटे आमोद-प्रमोद की जगह बन कर रह गया है जहां सरकारी या मनोरंजन के ईवेंटज्यादा होते हैं। हालांकि अब उसके मुकाबले भव्य और महंगी व्यवस्थाओं वाला राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) आ गया और कुलीन वर्ग जवाहर कला केंद्र को मध्यम वर्ग के लिए छोड़ कर वहां जाने लगा है। जवाहर कला केंद्र कलाकारों का स्वायत्तशाषी संस्थान नहीं बन आने की किसी भी सरकार को रुचि नहीं रही। सरकारी तंत्र की व्यवस्थाओं से कला जगत नहीं चलता। इसे लेकर गाहे-बगाहे स्थानीय कलाकारों का रोष भी सामने आता रहता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है भारत : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े चूरू दौरे पर रहे, जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया

चूरू, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े मंगलवार को चूरू दौरे पर रहे। चूरू पहुंचने पर विधायक हरलाल सहारण, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा व पुलिस अधीक्षक जय यादव ने राज्यपाल का स्वागत किया। पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी। विधायक हरलाल सहारण ने राज्यपाल को पंच गौरव से जुड़े उत्पाद तथा जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व एसपी जय यादव ने चंदन कलाकृति स्मृति-चिन्ह के रूप में भेंट की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का चूरू आगमन पर स्वागत किया।

इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े ने कहा कि भारत वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और देश सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है। राज्यपाल बागड़े ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और भावी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से सुदृढ़ करें। बच्चे बौद्धिक रूप से सक्षम होंगे, जिससे सकारात्मक बदलाव हमारे सामने आएंगे। इस दिशा में शिक्षा नीति के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दें तथा शैक्षिक सुदृढ़ीकरण के लिए संकल्पित रहें। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पौधे लगाएं तथा घने जंगल के रूप में विकसित करें। पारिस्थितिकी व पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में अधिकाधिक छायादार पौधे लगाएं। इसी के साथ राज्यवृक्ष खेजड़ी का संरक्षण, संवर्द्धन करें। बागड़े ने कहा कि जिले में औद्योगिक विकास को गति मिले और अधिकाधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं।

इस दौरान राज्यपाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में किसानों व आमजन को प्रेरित करें। पीएम कुसुम योजना में किसानों को प्रेरित कर खेतों में अधिकतम सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएं ताकि काश्त में काश्तकारों को संबल मिल सके। किसानों को उनकी फसल को खरीद केन्द्रों पर विक्रय करने के लिए प्रेरित करें तथा कृषि, विपणन, उद्यानिकी व बैंकों आदि की विभागीय योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करें। राज्यपाल ने कहा कि राजीविका महिलाओं को विभिन्न ऋण योजनाओं में लाभान्वित करें। मनरेगा योजना अंतर्गत गांवों-ढ़ाणियों में सड़कों की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें। इसी के साथ मनरेगा में शमशान व जोहड़ विकास कार्यों पर फोकस करें। वाटरशेड कार्यों में वर्षा जल संरक्षण करते हुए भूजल स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास करें। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाते हुए दिशा-निर्देशों की पालना करवाने व बेहतरीन क्रियान्विति के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जय यादव, एडीसी प्रवीण नायक नूनावत, एडीएम अर्पिता सोनी, सुजानगढ़ एडीएम मंगलाराम पूनिया, सीईओ श्वेता कोचर, डीएफओ वीरेन्द्र सिंह कृष्णिया, एएसपी सतपाल सिंह, एएसपी कृष्णा सामरिया, एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

■ 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और भावी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से सुदृढ़ करें'

जनप्रतिनिधियों व आमजन से हुए रूबरू :-इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े जिला मुख्यालय के सर्किट हाउस में स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आमजन से रूबरू हुए। इस मौके पर विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, जिला उपप्रमुख महेन्द्र न्यौल, चूरू प्रधान दीपचंद राहड़, सुजानगढ़ प्रधान मनभरी देवी, ओम सारस्वत, दौलत तंवर, फतेहचन्द सोती, अभिषेक चोटिया, रवि आर्य, अनुराग शर्मा, भास्कर शर्मा, नरेन्द्र सैनी, नरेन्द्र काछवाल, विक्रम कोटवाद, सुरेश सारस्वत, दीनदयाल सैनी, रवि दाधीच, नीरज जांगिड़, विमला गढ़वाल, नारायण बेनीवाल, सुनील भाउवाला, श्रीराम पीपलवा, प्रमोद भाटी सहित जनप्रतिनिधियों व आमजन ने राज्यपाल का स्वागत अभिनंदन किया।

बहुचर्चित ब्लैकमेल प्रकरण की सीबीआई से जांच करवाने की मांग

बिजयनगर, (निसं)। शहर के बहुचर्चित ब्लैकमेल प्रकरण की सीबीआई से निष्पक्ष जांच करवाने को लेकर सर्वसमाज संघर्ष समिति, बिजयनगर के तत्वावधान में मंगलवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया।

शहर के बहुचर्चित प्रकरण में स्कूली नाबालिग छात्राओं के साथ हुए जघन्य अपराधों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई एवं पीड़िताओं को सुरक्षा प्रदान करने हेतु सर्वसमाज संघर्ष समिति बिजयनगर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़ को ज्ञापन सौंपकर सीबीआई से निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की गई। मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में बताया कि गत दिनों में बिजयनगर शहर में हुये बहुचर्चित प्रकरण में नाबालिग स्कूली छात्राओं के साथ हुए दुष्कर्म, यौन शोषण, जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव तथा संगठित अपराधों की घटनाएं सामने आई जो अत्यंत निंदनीय एवं समाज के लिए गहरी चिंता का विषय है। ज्ञापन में बताया कि इन घटनाओं की जांच के लिए गठित एसआईटी में वही अधिकारी सम्मिलित किए गए हैं जो पहले से ही इन मामलों की जांच कर रहे थे। इससे निष्पक्ष जांच की संभावना पर संदेह उत्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त, समुदाय विशेष के लोगों द्वारा कार्य करने वाले अपराधियों को आर्थिक मदद करने वालों की अभी तक कोई पुख्ता जांच नहीं हुई है और प्रशासन द्वारा इन मामलों में लापरवाही बरती जा रही है। स

सर्व समाज संघर्ष समिति ने तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़ को ज्ञापन दिया।

र्व समाज संघर्ष समिति, बिजयनगर, ने चेतवानी दी कि यदि प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर उचित कार्रवाई नहीं होने पर सर्व समाज संघर्ष समिति और स्थानीय लोगों द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा। ज्ञापन के दौरान सर्व समाज संघर्ष समिति के एडवोकेट गोविंद नारायण शर्मा, बंटी पांडेया, महेंद्र शर्मा, कैलाश गुर्जर, नोरत मल लोढ़ा, धीरेंद्र शर्मा, राजेंद्र शर्मा व सर्वसमाज संघर्ष समिति के सदस्य मौजूद रहे।

ईडाणा माता ने अग्नि स्नान किया, भक्त उमड़े

उदयपुर, (का.सं)। मंगलवार को ईडाणा माता ने एक साल बाद फिर अग्नि स्नान किया है। इसकी लपटें 12 से 13 फीट तक उठी। इसके बाद अपने आप अग्नि शांत हो जाती है। इसको देखने वाले हर व्यक्ति की इच्छा पूरी होती है।

मान्यता है कि माता के प्रसन्न होने पर मंदिर में अग्नि प्रज्वलित होती है। उदयपुर शहर से 60 किलोमीटर दूर कुराबड-बंबोरा मार्ग पर मेवाड़ का प्रमुख शक्तिपीठ ईडाणा माता मंदिर है। इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं है और एकदम खुले चौक में स्थित है। यह मंदिर उदयपुर मेवल की महारानी के नाम से प्रसिद्ध है। जैसे ही लोगों को माता के अग्नि स्नान करने की जानकारी मिली मंदिर में भीड़ उमड़ पड़ी। धीरे-धीरे आग बढ़ती हुई पूरे मंदिर में फैल गई,हालांकि मूर्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। ईडाणा माता मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाल सिंह राठौड बताते हैं कि अग्नि स्नान को लेकर कोई दिन और समय तय नहीं है। यह माता की इच्छा से होने वाला चमत्कार है। मंदिर में अग्नि अपने आप ही जलती है और शांत भी अपने आप ही होती है। इस दौरान मंदिर में रखी माता की चुनरी, नारियल जल जाता है। माता रानी का यह अग्नि स्नान काफी बड़ा होता है, जिसके चलते कई बार नजदीक के पेड़ को भी नुकसान पहुंचता है। आज तक माता की मूर्ति पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

■ मान्यता है कि मां के दरबार में आकर लकवा ग्रसित रोगी ठीक हो जाते हैं

गोपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि इससे पहले 9 अप्रैल 2024 को माता ने अग्नि स्नान किया था। चैत्र नवरात्रि से पहले शक्ति पीठ ईडाणा माता ने अग्नि स्नान किया तो भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। आज अग्नि स्नान के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर चले तो आसपास के गांवों से लोग सीधे मंदिर पहुंच गए और अग्नि स्नान के दर्शन किए। यहां पहुंचे भक्तों ने भी अपनों को यहीं से मोबाइल के जरिये वीडियो कॉल से अग्नि स्नान के दर्शन कराए। ईडाणा माता ट्रस्ट अध्यक्ष के अनुसार, बरगद के पेड़ के नीचे यहां माता विराजमान हैं और मान्यता है कि प्रसन्न होने पर वह खुद अग्नि स्नान करती हैं। इस दृश्य को देखने वाले हर किसी की इच्छा पूरी होती है। मेवल क्षेत्र में ईडाणा गांव सहित करीब 52 गांव आते हैं। मंदिर में आग कैसे लगती है और कैसे बुझती है यह कोई नहीं जानता। इसी वजह से श्रद्धालुओं की मंदिर पर अटूट आस्था है। वो इसको चमत्कार कहते हैं। राठौड़ के अनुसार मान्यता है कि लकवा से ग्रसित रोगी मां के दरबार में आकर ठीक हो जाते हैं। प्रतिमा के पीछे त्रिशूल लगे हैं,भक्त अपनी मन्नत पूरी करवाने के लिए यहां त्रिशूल चढाते हैं। संतान की मन्नत रखने वाले भक्त यहां झूले चढ़ाते हैं।

राष्ट्रीय दिव्य कला मेला 21 मार्च से उदयपुर में

उदयपुर, (निसं)। झीलों की नगरी उदयपुर एक ओर अनूठे आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। भारत सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण विभाग (दिव्यांगजन) की ओर से राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम का 25वां राष्ट्रीय दिव्य कला मेला 21 से 30 मार्च तक उदयपुर में आयोजित होगा।

नगर निगम के टाउन हॉल परिसर में प्रस्तावित इस 10 दिवसीय मेले में देश भर के दिव्यांग उद्यमियों/कारीगरों के उत्पादों और शिल्प कौशल को प्रदर्शित किया जाएगा। मेले का उद्घाटन 21 मार्च को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री करेंगे। दिव्य कला मेला दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) के उत्पादों और कौशल के विपणन और प्रदर्शन के लिए एक बड़ा मंच प्रस्तुत करता है। इसमें देश के 20 से राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से 100 से अधिक दिव्यांग उद्यमी और कलाकारों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, हथकरघा, कढ़ाई के काम और पैकेज्ड फूड सहित देश के विभिन्न हिस्सों के जीवंत उत्पाद एक साथ प्रदर्शित किए जाएंगे। यह दिव्यांगजन के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक अनूठी पहल है। इसमें गृह सज्जा और जीवन शैली, कपड़े, स्टेशनरी और पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद, पैकेज्ड खाद्य और जैविक उत्पाद, खिलौने और उपहार, व्यक्तिगत सहायक सामग्री आभूषण, क्लच बैग सहित सैकड़ों तरह की सामग्री बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी। आयोजन के दौरान दिव्यांगजनों की ओर से ही देश के विभिन्न प्रांतों के प्रसिद्ध व्यंजनों की स्टॉल्स भी लगाई जाएंगी। इससे शहरवासी और पर्यटक एक ही स्थान पर देश भर के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ ले सकेंगे। दिव्य कला मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसमें दिव्यांगजन सहित कई पेशेवर कलाकारों की प्रस्तुतियां रोमांचित करेंगी। 30 मार्च को देश के विभिन्न हिस्सों से दिव्यांग कलाकारों द्वारा इस मेले में दिव्य कला शक्ति नामक एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

राशिफल

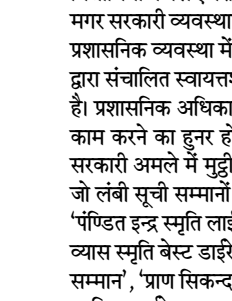

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 19 मार्च, 2025

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, विशाखा नक्षत्र रात्रि 8:50 तक, हर्षण योग सायं 5:38 तक, कौलव करण दिन111:23 तक, चन्द्रमा दिन 2:07 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 8:50 तक है। अमृत सिद्धि योग रात्रि 8:50 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 8:50 से आरम्भ होगा। आज रंग पंचमी, श्री जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:35 तक, शुभ 11:05 से 12:35 तक, चर 3:34 से 5:04 तक, लाभ 5:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 6:34

मेष

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं रहेगा।

वृष

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आज परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ

अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा।